| Newspaper | Edition | Date | Page |
|------------|---------|------------|------|
| NAI DUNIYA | Delhi | 26.02.2012 | 2 |

'समाज को सुसंस्कृत बनाना होगा'

कपिल सिब्बल ने किया 20वें विश्व पुस्तक मेले का उद्घाटन

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। मानव संसाधन विकास मंत्री कपिल सिब्बल ने कहा है कि हमें अपने समाज को एक सुसंस्कृत समाज बनाना होगा। शनिवार को श्री सिब्बल ने ये बातें प्रगति गैदान में 20वां विरच पुस्तक मेले के उद्धादन के मीके पर कही। उन्होंने वह भी इच्छा जताई कि हमारे बच्चे कंप्यूटर टेक्लेट आकड़ी। पुस्तक पद सकें और इसके लिए उन्हें कोई पैसा नहीं हैना पढ़े।

- प्रगति मैदान में नौ दिनों तक चलेगा मेल
- सिखल ने हर साल मेले के आयोजन की जताई इच्छा, तीन ब्रेल पुस्तकों का लोकार्पण

श्री सिम्बद्ध के उद्धारन के साथ ही नी दिन तक चलने वाला मेला गुरू हो गया। उन्होंने नेशनल बुक ट्रस्ट की ओर से आयोजित मेले के अतीत को भी क्खूबी याद किया और कहा कि आज यह मेला अध्ये-एशिकन देशों में होने बाले पुस्तक मेलों में सबसे बड़ा है। केशल भारत ही ऐसा देश हैं कहा करीब 40 भाग्यों में पुस्तकें प्रकाशित को जाती है। उन्होंने इच्छा जताई कि वह मेला यो साल के बचाव हर साल हो। मेले में श्री फिब्बल ने एन इंटरनेशनल कैटलींग ऑन इंशियन सिनेमा और तीन ब्रेल पुस्तकों का लोकार्यण भी किया।

प्रमुख उद्विया लेखक प्रो मनोज दास ने उद्गाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि अनुवाद के माध्यम से आज हम दूसरी भाषाओं के साहित्व को पढ़ और समझ पाते हैं। अंदनबू की प्रोफेनर मृदुला मुख्जीं ने विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों की पात्री करते हुए कहा के से लोग अच्छे पाठक ही नहीं, लेखक भी थे। कार्यक्रम के अंत में ट्रस्ट के अध्यक्ष विधिन चन्द्र और निदेशक एमए सिकन्दर ने अतिवियों का धन्यवाद ज्ञाधन किया।

डीवीडी में समाया विषयों का पाठ्यक्रम



नई दिल्ली। आधुनिक तकनीक का ही क्यारा है कि बच्चों को किताओं के बजाय डीवीडी में अपने सभी विषयों का पाद्रकाम मिल रहा है। प्रकाशकों ने फहली कक्षा से 12 थीं तक के सभी विषयों पर अलग अलग डीजीडी पेश किए हैं। एस चांद एंड कंपनी के हील संख्या 12-ए स्थित स्टील पर उपस्थित उप महाप्रबंधक फटीमीडिया ने बताया कि डीलीडी से बच्चों को पढ़ने में ज्यादा आसानी होती है। 2-डी व 3-डी इंफेजट के साथ दैयार की गई डीवीडी में एकिटनिटी आधारित विषय पेश किए गए हैं। मेले के तीयन इन उत्पादों पर 20 फीसदी तक की हुट दी जा रही हैं।

ई-युग में खरीद-बिक्री का प्लेटफार्म

नई विल्ली। मेले में पुस्तक प्रेमियों के लिए ऑनलाइन बिक्री और खरीवारी के लिए फ्रकाशन से जुड़ी कंपनियां भी मैदान में हैं। लिबसिस पहली बार बढ़े पैमाने पर पुस्तकों की खरीद बिक्री, संग्रहण और साझेदारी के लिए ई कॉम्पर्स का लेटफर्क मुहैया करा रहा हैं। हॉल में 12 ए में पाठकों, फ्रकाशकों और शिख्य संस्थानों के लिए कई तरह सुविधा हैं। विजनस एकोक्यूटिव राहुल माटिया ने बताया कि वहां ग्राहकों को नितुत्क रिबस्ट्रेशन का ऑफर दिया जा एत हैं। ये लिबसिस की साइट पर आकर पुस्तकों को खरीद और बेच सकते हैं। वहां अपनी पस्टिशा लाहब्रेरी भी बना सकते हैं। एक दूसरे से किताबों का साझा भी कर सकते हैं। कंपनी की हैं। इसके अलावा मेले में कई और कंपनियां भी हिकिटल युग में ई-बुक का प्रचलन बढ़ाने पर जोर दे रही हैं।

पहले ही दिन से चल पड़ा किताबों के विमोचन का सिलसिला

नई विल्ली। विश्व पुस्तक मेले में पहले दिन से ही पुस्तकों से लोकार्यण का सिलासिला शुरू हो गया। हिन्ती और अंग्रोजी के विभिन्न स्टॉलों कई पुस्तकों का लोकार्यण हुआ। लेखकों का पाठकों से मुलाकात का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। राजकमल प्रकाशन ने विरिध्न आलोचक नामवर सिंह की बार किताबों का लोकार्यण किया। इसमें साहित्यकार विश्वनाय विपाती, अशोक वाजयेती, मुरली मनोहर प्रवाद सिंह व पुरुषोत्तम अग्रवाल जैसे कई गणमायव लोग मीजूद थे। रविवार को वहां 4 बजे जावेद अखार पाठकों से मिलने आएँ। इससे पहले सुबह इंडिया है बिटेट सेंटर में उनकी पुस्तक लावा का लोकार्यण होगा। हॉल नम्बर 11 में वाणी प्रकाशन के सिंह पाठकों से सुखले और ताकित्यकारों के आने जाव कि सिंह पाठकों से मुलाकात कार्यक्रम में सुधी । रविवार का विल्वा साहित्यकार पानस्त्रा में सुधी । रविवार का वहां अनुजा जीहान की पुस्तक विद्वापन डॉट काम का लोकार्यण किया जाएगा। अनुभव प्रकाशन पानस्त्र साहित्यकार पानस्त्रा मित्र ने प्रताप विश्व की पुस्तक विद्वापन डॉट काम का लोकार्यण किया जाएगा। अनुभव प्रकाशन पानस्त्र साहित्यकार पानस्त्रा मित्र ने प्रताप विश्व की पुस्तक विद्वापन डॉट काम का लोकार्यण किया जाएगा। अनुभव प्रकाशन पानस्त्र साहित्यकार पानस्त्रा मित्र ने प्रताप विद्वापन सिंह की पुस्तक विद्वापन डॉट काम का लोकार्यण किया। इस मौके पर मनमोहन बावा, पान मायुर, रवीन्त्र वर्मा और केवल गोस्वामी जैसे कई लेखक मीजूद थे। संचालन श्वाम निर्मम ने किया।

Newspaper Edition Date Page
Dounik Jagan Delhi 26.02.2012 0 8

प्रगति मैदान में पुस्तक मेला शुरू

वर्ष हिस्सी, जानका संस्कृतकाः वेतीय गानव संस्थान विकास मंत्री करिता विकास वि कारा कि इसे अपने समझ को एक पूर्वत्वृत लोकस्तिक समझ कथान होता, को देखने में हो नहीं करिता अपने अवसान में भी इसे अधिकावत करता हो। उन्होंने करा कि 'मैं पाइता हूं कि इक्षों कार्य देखतेट पीनी- अवसान पर पूराकें पह इक्षेत्र और इसके तिल उन्हें कीर्त वैसान में पाइतें विकास में मेहनाल कुक इस्ट इस प्रार्थत मैंगा में आवेशित 20में विकास पुरत्यक मेले के इन्ह्यादन के भीक पर यह बाल करतें।

जिल्ला ने कहा कि 40 वर्ष पूर्व विद्वार गरेन में लारे पानो विका पानक नेते में मात्र 300 प्रकाशकी ने दिल्ला लिया का और आज अपनेकी-एरियाई देशों में क्षेत्रे काले पुरसक्त केलों में यह सबसे बढ़ा है। मेले की बीच 'चालीच मिलेगा के भी वर्ष' पर उन्होंने कहा कि शाहित्य व फिल्म एक दूसरे से संबंधित हैं। इस बीके पर प्रमाणि 'एन इंटरनेसनल वैप्टालीन जीन इंडियन दिलेक' और चार्याच सिनेमा पर बेललिये में लिसी नई सेन पुरवर्धी 'सिनेया और सत्यमंत है' 'बलरज मर्ज प्रोत' और 'दादा सहय परान्के' का भी विशेषन किया। इहिन के प्रमुख लेखन प्रेरेगर मनेज हम ने समावेद की अध्यक्त करते हुए कहा कि अनुबाद के माध्यम में आज रम दूसरी घाषाओं के शाहित्य को यह व शवक यह है। अनुवाद एक ऐसा बाजान है जो हमें दूसरी भाषाओं में लिखे साहित्य की प्रकृते का अलगार प्रदान करना है। इन्हींगर अनुबाद व्यक्तिस्य पर अर्थर काम होना पातिए।

वेटर पर्वर हिरावीकान रिवर्च, जेएनम् को फेमेकर भीके पर प्रमुख प्रकारको है। बहुमा भुक्ताची में देश के स्वतंत्रता प्रधान में गुढ़े प्रमुख विश्वत, केलाज बसानी, एके का विद्याओं को पूर्वा करते हुए कहा कि उनको स्थानम् ही। प्रनित्त निकार आहे मीजून में।

20वा विश्व पुस्तक मेला



केटीय मानव संसाधन मोत्री वाधित तिब्बत ने तनिवार को 20वें किंध पुनस्ता मोते का उद्यादन किंगा।

प्रस स्थाप को प्रासी हैं। बार्यक्रम की मुख्यात में तिलाई विकारियालय के म्यूनिक फैसाओं के सामी में स्थापन पान प्रश्नुत किया और करती ने मुक्त चार्च निवाला। विकारत कुछ दुवट के जारतात जीनेकर विकार पदा और विदेशक एसए विकार में सम्पाद्य सामा किया। प्रश्न और पर प्रमुख प्रधानकों में सुमीर करतीय, स्मेत विकार, कैताल करती, एक साम, यो, पी, पीमी पान् और प्रीकर विकार करती, पीक्ष साम, यो, पी, पीमी पान् और

आज एक साथ देख सकते हैं तीन मेले

वर्ष दिस्ती, असे । दिल्लीवर्गिकों के पास दीवार की एक सक्त तीन मेरी देखने का अध्यर है। प्रपत्ति कैपन में लेन अंतरप्रदूरिय पर्यटन प्रदर्शनी, विकार पुन्तक मेरा और नक्तत-2012 देख सकते हैं। पर्यटन प्रदर्शनी में प्रप्रेण विद्युत्तक है, जबकि पुन्तक मेरी का दिस्तद शक्तकरी की कुछ कितान दुकानी पर प्रभी जिला पार है।

पुरस्क प्रियमें के लिए यहां पुरस्कों का भंडार है। पर्यटन की वानकारों की भी मुक्तियां है। 27 देशों के बाब ही से देश के बाई पान्यों के पर्यटन स्थान के बारे में प्रमुख्य है। 27 देशों में भाग वहां है। पुरस्क मेला 10 डीलों में भाग वहां है। पुरस्क मेला 10 डीलों में भाग वहां है। प्रमुख पर्यटन प्रदर्शनी का परिचार को सीवम दिन है। इसके कालाना यहां नकता 2012 का अलोका झील लेकर 16 के प्रभाव मंत्रित पर हिता नका है। यह भविष्य कानने वालों के लिए अपका मोग है।

हीं का देव प्रशेवन कार्नेवाकेशन की प्रश्नेत निर्देशक देवा मेनन करते हैं कि पुरस्का मेला और नक्षत्र का एक समय में आयोगन करने के पीछे पड़ी मंत्रा की हैं कि पड़ा आने कार्ने लोग एक साम दो मेनों का स्कृत दर्श करें।

भारतीय सिनेमा पर आधारित साहित्य का अनूटा संग्रह

सुधीर कुम्बर, नई दिल्ली

भारतीय विशेषा का साहित्य से पूराब जाता ता है। साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने में किनेज ने बारी भूमिका निवार पातक सेती में भारतीय विशेष पर संभार को विश्व पुरुष्क सेती में भारतीय विशेष पर अध्यक्ति अनुत्री पुरुषकी का नेवान पुरुष प्रेरणों के लिए तक गाम है। पारती बार नेवानन मुख्य दुस्त ने भारतीय विशेष पर केत लिए में पार पुरुष्कें। प्रसारता की हैं। भारतीय विशेषा के भी वर्ष पूर्व होते के प्रथमक में अध्यक्तियों प्रतिवर्धित केता ने भी पुष्ट पुरुषक का विशेषण विश्व । वहां विशेषा और ने नेवान प्रश्नातिय पर भी कई प्रश्नीय प्रश्नीति हैं।

क्षेत्र पेबिरियन में आते ही 'यहनकोग' से स्थान होता है, जिसमें दिल्ली दर्शन की पूरी स्थानका है। प्रीवाद निरोधक तथन दिल्ला, सन्यान रे, व्यक्तिक घटक, मृत्यान तेन और उत्तर पुन्यान हार उपयोग किया गया 35 एनएन का कैसत उनकी यह दिल्ला है। यहाँ, नात मंगेनकर, मेहम्मद तथे, मृत्या आते की गई गालों को पुन्तकों से लेकर अधुनिक नावक य गरिवाओं पर आधारित पुन्तकों



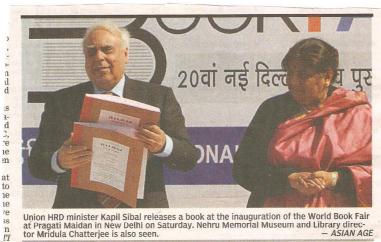
विश्व पुरस्का मेर्न के बीम पैवेतियम में सन्यमीत रे परित प्रसिद्ध निर्देशकों इस्त उपयोग किया गया ३६ ऐसएम का कैमत। प्रसिद्ध प्रमान

ची चहा है। चर्माच विशेष्य के उतार चढ़ान, शिरेषकों को खेळके, बाउदोव विशेष के उपमेशाय आधारित पुरत्यों का अच्छा चंता है। नेशानत मुख् टूटर के संघाटक मुख्या विकास बताते हैं कि बतारी, कोशिकों स मेहनत के बाद चारतेय विशेषा पर अध्यति स्तरित्य का सन्दर्भ नंतर तैयार किया एस है। यहां प्रारं की से जब्द पुरस्के हैं, दिसे 100 से स्वाद प्रकारकों ने प्रकारित किया है। एनवेटी द्वार 'एन इंटरनेजनात केटलनेंद अनि इंडियन सिनेबा' आसंदर्भ तिनेबा पर आधारित साहित्य को जानने का बीका देख है। यहां देश की सभी प्रमुख प्राप्तकों में पुरस्केंद्र है। पहारी बार केत तिर्देश में पी एनवेटी ने पुरस्क प्रकारित की है।

भारतीय सिनेमा के सौ वर्ष पूरे होने पर पुस्तक का विमोधन

केले का बीम भारतीय क्रिकेट के मी वर्ष पर आपारित है। अधिमानोर्ड पुनिवर्शित केल में भी भारत में भी पार्च पूरे किए हैं। इस विशेष मीकि कर पंजित्या किस्तार पुरस्क कर विशेषन क्रिक्स केला व आलोगक अस्ता वासूरेत में किसा उसमें देगेर, प्रेमपार और साम्प्रांत है के लेखन व विशेष का असूत कारेक्स है। यहां ऑक्सपोर्ड देस प्राप्त पर्वाहम और मार्चार विशेषा पर पार्च आपीरित की गई। इसमें विदा बोल, स्वहित्ती भीम, ईव मार्चार, एस. अमार्जीन और अनुस्था चीम कैसे कालोगकों स लेखाओं में हिस्सा हिता।

| Newspaper | Edition | Date | Page |
|------------------------------|---------|------------|------|
| THEASIAN AGE - DELHI SPECIAL | Delhi | 26.02.2012 | 1 |



Union HRD minister Kapil Sibal releases a book at the inauguration of the World Book Fair at Pragati Maidan in New Delhi on Saturday. Nehru Memorial Museum and Library director Mridula Chatterjee is also seen.

— ASIAN AGE

New Delhi, Feb. 25: The 20th World Book Fair in the city began on an opti-mistic note on Saturday with Union human resources development Minister Kapil Sibal announcing that efforts were on to make the bienwere on to make the biennial fair an annual affair. He inaugurated the nine-day book fair, being held

Feb 25-March 4, at the Hamsadhwani open air theatre at Pragati Maidan.

Mr Sibal said the govern-ment would try to host the fair every year given its increasing popularity and growing status as one of the most important bookrelated events in the Afro-Asian region.
The National Book Trust

which hosts the fair has which hosts the fair has been trying to persuade the government to make the fair an annual event for several years. Addressing the gathering at the inauguration, Mr Sibal said: "India is the third largest publisher of

English books after the US and UK."

Citing figures, Mr Sibal said the country published at least 1,00,000 books in different languages annually. The HRD minister said that children in India should have access to information free of cost.

"My dream is to see that every child in this country

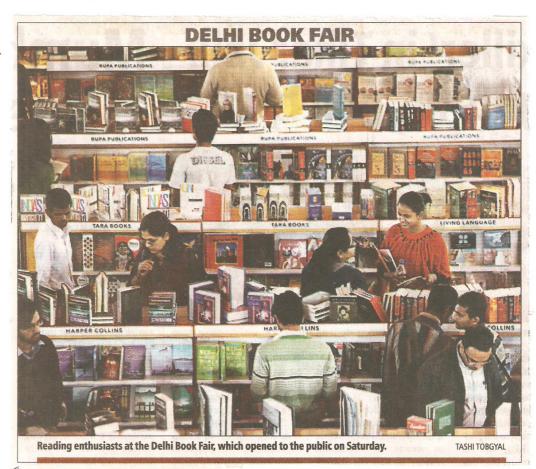
has an Aakash tablet computer," he said.

He said: "One of the reasons for keeping the price of the tablet computer reasonable (₹2,500) was to ensure that it reached

ensure that it reached everyone."

The minister praised the efforts of the NBT in "making the fair on par with the best in the region".— IANS

| Newspaper | Edition | Date | Page |
|---------------|---------|------------|------|
| INDIAN EXPREC | Delhi | 26.02.2012 | 5 |



100 years of cinema as book fair theme

EXPRESS NEWS SERVICE NEW DELHI I FEBRUARY 25

THE biennial Delhi book fair was opened to the public on Saturday, celebrating 100 years of Indian cinema and themed on the relationship between literature and cinema.

Inaugurating its 20th edition, Union HRD Minister Kapil Sibal said the government was planning to hold the event every year "given its increasing popularity and growing status as one of the most important book-related events in the Afro-Asian region". This year's fair has a specially designed pavilion dedicated for exhibiting selected 300 books, panel discussions, book launches and workshops on cinema.

As many as 1,300 exhibitors are participating in the fair, which will feature the works of some of the world's most acclaimed authors.

20TH NEW DELHI WORLD BOOK FAIR 2012

| Newspaper | Edition | Date | Page No. |
|-------------|---------|-----------|----------|
| THE TRIBUNE | Delhi | 5.03.2012 | 3 |



Visitors throng the book fair at Pragati Maidan in New Delhi on the last day of the event on Sunday. Tribune photo: Manas Ranjan Bhui

Book fair ends

New Delhi, March 4 NEW DELHI, MARCH 4
Focused on youth and children, the biennial World Book Fair New Delhi, organized by the National Book Trust (NBT) concluded Sunday, after registering over 700,000 visitors.

"We organized the fair to promote book-mindedness

among people and to showcase annua people and distributes the strengths and diversity of Indian book trade with its multilingual profile," said NBT director M.A. Sikandar.

The fair commemorated these investors to the strength of the significant of th

three important events - 100 years of Indian Cinema, 100 years of Delhi as the national capital and the 150th birth anniversary of Nobel laureate

titles representing publications of 800 publishers in all major languages based on Indian cinema was released by NBT.

The catalogue contains information about copyright and contact details for rights enquires that will help publishers around the world get inforest around the ers around the world get infor-mation about the rights to pub-lish or translate any of the Rabindranath Tagore. books based on Indian cine-A catalogue including 300 ma.—IANS

20TH NEW DELHI WORLD BOOK FAIR 2012

| Newspaper | Edition | Date | Page No. |
|------------|---------|-----------|----------|
| AMAR UJALA | Delhi | 5.03.2012 | 2 |



प्रगति मैदान में आयोजित 20वां विश्व पुस्तक मेला संपन्न

फिर मिलने का वादा, विदा हुआ पुस्तक मेल

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रगति मैदान में आयोजित 20वां पुस्तक मेला रविवार को संपन्न हो गया। छुट्टी और मेले के अंतिम दिन के कारण पुस्तक प्रेमियों की भीड़ उमड़ी। नेशनल बुक ट्रस्ट की तरफ से आयोजित मेले में 1300 भारतीय प्रकाशक के अलावा 30 देशों की भागीदारों ने हिस्सा लिया। मेले में कई पुस्तकों का अलग-अलग प्रकाशकों के स्टॉल पर विमोचन किया गया।

मेले में सुबह से ही पुस्तक प्रेमियों की भीड़ देखने को मिली। बाल मंडप में परिजनों के साथ पहुंचे बच्चों ने ज्ञानप्रद कितावें खरीदीं। नेशनल बुक ट्रस्ट की तरफ से बताया गया कि पिछले वर्षों के



खरीददारों की भीड़ बढ़ी है। इससे यह स्पष्ट है कि इंटरनेट एवं डिजिटल युग में भी पुस्तक प्रेमी कम नहीं हुए हैं। बाल मंडप में भोपाल की संस्था एकलव्य ने कबाड़ से जुगाइ, आओ जाद सीखें

मुकाबले मेला अधिक सफल रहा है। कार्यक्रम आयोजन के साथ पुस्तक पर आधारित लघु नाटिका का मंचन किया गया। रवीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में लगाए गए साहित्य अकादमी की ओर से लगाए विशेष पेवेलियन में दर्शक टैगोर लिखित

रविवार को

संसद तरुण

व उन पर लिखित पुस्तकों, पोस्टर और पेंटिंग से रूबरू हुए। नेशनल बुक ट्रस्ट के निदेशक एमए सिकंर ने ट्रस्ट के नए वेबसाइट संस्करण का विमोचन किया। जबिक राज्यसभा सांसद तरुण विजय की पुस्तक का डा. नामवर सिंह ने विमोचन किया। इसके अलावा हरियाणा के राज्यपाल जगननाथ पहादिया ने हरियाणा शीर्षक से लिखी गई पुस्तक का विमोचन किया।

वहीं, संत राजिन्दर सिंह की पुस्तक स्पार्क ऑफ द डिवाइन (दिव्य चिंगारी) का विमोचन किया गया। सावन कृपाल रुहानी मिशन की तरफ से आयोजित समारोह में डायमंड पॅकिट बुक्स के चेयरमैन एनके वर्मा ने संत राजिन्दर सिंह को पुस्तक भेंट की।

20TH NEW DELHI WORLD BOOK FAIR 2012

| Newspaper | Edition | Date | Page No. |
|---------------------|---------|-----------|----------|
| DAINIK JAGRAN- CITY | Delhi | 5.03.2012 | 1 |

अंतिम दिन पुस्तक मेले में उमड़ी भीड़

परिवार के साथ पहुंचे लोग, किताबें खरीदीं और लेखकों से हुए रुबरु

• हॉल दूर-दूर होने के चलते लोगों को परेशानी भी उढानी पडी

नई दिल्ली, जागरण संवाददाता : विश्व पुस्तक मेले के अंतिम दिन बड़ी संख्या में पुस्तक प्रेमी प्रगति मैदान में जुटे। उन्होंने यहां किताबें खरीदीं और रंगारंग कार्यक्रम का लुत्फ उठाया।

पुस्तक मेले का अंतिम दिन रविवार होने की वजह से कई लोग परिवार के साथ किताबें खरीदने पहुंचे। लोगों ने पसंद की किताबें ढूंढने व खरीदने में काफी वक्त बिताया। हालांकि हॉल के काफी दूर-दूर होने की वजह से लोगों को काफी तकलीफ भी उठानी पड़ी। गई। प्रसिद्ध वास्तुशास्त्री खुशदीप बंसल स्टाइल से जुड़े पुस्तकें शामिल थीं। लोग एक दिन में सभी हॉल तक पहुंच नहीं पाए। मेले में लोगों को जहां कई फिल्मी हस्तियों से मिलने का मौका मिला वहीं, मशहूर लेखकों से भी वे रूबरू हुए। रोजाना पुरानी फिल्में देखने का मौका मिला। रविवार को चारूलता, उसकी रोटी और अतिथि फिल्में दिखाई



विश्व पुस्तक मेले के अंतिम दिन पुस्तक प्रेमियो की जुटी भीड़ ।

की सवा लाख रुपये की पुस्तक महावास्तु भी आकर्षण के केंद्र में रही। भी बच्चों को खूब भाई। वर्ल्ड रिकॉर्ड फिल्म अभिनेत्री नेहा धूपिया ने इसका बनाने वाले अंग्रेजी व्याकरण के शिक्षक विमोचन किया गया था। मेले के दौरान संजय कुमार सिन्हा मेले के दौरान सैकड़ों पुस्तकों का विमोचन हुआ। लगातार बच्चों को पढ़ाकर उनका टेस्ट जिनमें कानून, फिल्म, कथा, उपन्यास, लेते रहे। बच्चों के लिए कई रोचक व कविता संग्रह, बाल पुस्तकें, लाइफ ज्ञानवर्धक कार्यक्रम हुए। अंत में साहित्य

कहानियों और पाठ्य पुस्तकों की सीडी

कला परिषद द्वारा गुजरात का डांडिया, गरबा, हरियाणा के धमल और भूमर तथ महाराष्ट्र के लावणी नृत्य की प्रस्तुति हुई। फिर म्यूजिक बैंड द्वारा प्रसिद्ध हिंदी गीत की प्रस्तुति से मेले का समापन हुआ। 'सेवन लिव्स वन ऑटम' का विमोचन: कवियत्री सुकृनिता पॉल कुमार और सविता सिंह द्वारा संपादित पुस्तक 'सेवन लिव्स वन ऑटम' का विमोचन वरिष्ठ कवि केकी दारुवाला ने किया। इस संग्रह में कई अंतरराष्ट्रीय कवियों की रचनाएं है। इसके अलावा राजकमल द्वारा उड़िया और बांग्ला से अनूदित पांच पुस्तकों का भी लोकार्पण हुआ।

रूसी लेखक पहुंचे मेले में : पिजन बुक्स और जीबीडी बुक्स के स्टॉल पर रूसी लेखक इवान इगोरोव पहुंचे। ब्रह्मांड पर लिखी इनकी पुस्तकों की सीरीज का हिंदी अनुवाद का विमोचन किया गया। अनुवाद रजत चावला ने किया है। इसके अलावा यहां 14 अन्य पुस्तकों का भी लोकार्पण हुआ। इवान ने पाठकों से भी बातचीत की।